

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE**

**LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 435
TO BE ANSWERED ON 3RD FEBRUARY, 2023**

TREATMENT OF LIFESTYLE AILMENTS

435. SHRI SUNIL KUMAR SINGH:

Will the Minister of **HEALTH AND FAMILY WELFARE** be pleased to state:

- (a) whether Cardiovascular Diseases (CVD) are the leading cause of death among adults in the country and one of the major drivers of heart attack/stroke due to untreated high blood pressure or hypertension and if so, the details thereof;
- (b) whether the country has more than 200 million people with hypertension and only 14.5 percent of them are getting treatment and if so, the details thereof, State/UT-wise; and
- (c) the number of projects initiated by the Government for treatment of such ailments and the current status of their access to Primary Health Centres and Wellness Centres across the country, State/UT-wise and district-wise?

ANSWER

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DR. BHARATI PRAVIN PAWAR)**

(a) to (c): As per the India: Health of the Nation's States Study [done by Indian Council of Medical Research (ICMR)], the heart diseases were the number one cause of death, contributing to 28.1% of total deaths in India in 2016. The majority of heart patients are people with Coronary Heart Diseases (CHDs). The increase in the prevalence of CHDs is due to increase in risk factors for CHDs such as high blood pressure.

The Department of Health & Family Welfare provides technical and financial support to the States/UTs under the National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS), as part of National Health Mission (NHM), based on the proposals received from the States/UTs and subject to the resource envelope. Cardiovascular Diseases is an integral part of NPCDCS. The programme focusses on strengthening infrastructure, human resource development, health promotion & awareness generation, early diagnosis, management and referral to an appropriate level of healthcare facility for treatment of the Non-Communicable Diseases (NCDs), including

Cardiovascular Diseases & Hypertension. Under NPCDCS, 707 District NCD Clinics, 193 District Cardiac Care Units, and 5541 Community Health Centre NCD Clinics have been set up.

A population-based initiative for prevention, control and screening for common Non-Communicable Diseases (NCDs) i.e., diabetes, hypertension and common cancers has been rolled out in the country under NHM and also as a part of Comprehensive Primary Health Care. Under the initiative, persons more than 30 years of age are targeted for their screening for common NCDs. Screening of these common NCDs is an integral part of service delivery under Ayushman Bharat – Health and Wellness Centres.

Ayushman Bharat- Health and Wellness Centres (AB-HWCs), included primary healthcare services expanded from selective to Comprehensive Primary Health Care (CPHC) inclusive of NCD services, closer to community. Preventive aspect of Cardiovascular Diseases is being strengthened under Comprehensive Primary Health Care through Ayushman Bharat Health Wellness Centre scheme, by promotion of wellness activities and targeted communication at the community level. Till date 1,56,338 Health & Wellness Centres have been operationalized which includes 1,25,608 Sub-Health Centre level AB-HWCs, 23512 Primary Health Centre level AB-HWCs and 7,218 Urban Primary Health Centre level AB-HWCs (Source - AB-HWC Portal, as on 30th January 2023). The States/UTs wise details of Health and Wellness Centres is available at <https://ab-hwc.nhp.gov.in/home/satewisereport/>.

Further, initiatives for increasing public awareness about Cardiovascular Diseases & Hypertension and for promotion of healthy lifestyle includes observation of National and International Day and use of print, electronic and social media for continued community awareness. Furthermore, healthy eating is also promoted through Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI). Fit India movement is being implemented by Ministry of Youth Affairs and Sports, and various Yoga related activities are being carried out by Ministry of AYUSH. In addition, NPCDCS gives financial support under NHM for awareness generation (IEC) activities for Cardiovascular Diseases to be undertaken by the States/UTs as per their Programme Implementation Plans (PIPs).

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 435
दिनांक 03 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जीवन शैली के कारण होने वाले रोगों का उपचार

435. श्री सुनील कुमार सिंहः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या हृदय रोग (सीवीडी) देश में वयस्कों में मृत्यु का प्रमुख कारण है और अनुपचारित उच्च रक्तचाप या उच्च तनाव, दिल के दौरे/पक्षाधात के प्रमुख कारकों में से एक है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) क्या देश में 200 मिलियन से अधिक लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और उनमें से केवल 14.5 प्रतिशत का ही उपचार हो पा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार व्यौरा क्या है; और
- (ग) सरकार द्वारा ऐसी बीमारियों के उपचार के लिए कितनी परियोजनाएं शुरू की गई हैं और देश भर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और आरोग्य केन्द्रों तक उनकी पहुंच की राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रवार और जिला-वार वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ग): भारत: राष्ट्र के राज्यों का स्वास्थ्य अध्ययन के अनुसार [भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा किया गया], हृदय रोग मृत्यु का नंबर एक कारण है, जिसके कारण वर्ष 2016 में भारत में हुई कुल मौतों में 28.1% मौतें हृदय रोग के कारण हुईं। अधिकांश हृदय रोगी कोरोनरी हृदय रोग (सीएचडी) से पीड़ित हैं। सीएचडी की व्यापता में वृद्धि सीएचडी के लिए उच्च रक्तचाप जैसे जोखिम कारकों में वृद्धि के कारण है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आधात की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्ताव और संसाधन क्षमता के अध्याधीन राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हृदय रोग एनपीसीडीसीएस का एक अभिन्न अंग है। यह कार्यक्रम हृदय रोगों और उच्च रक्तचाप सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार के लिए बुनियादी

ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर के स्वास्थ्य केन्द्र के लिए रेफरल पर केंद्रित है। एनपीसीडीसीएस के तहत, 707 जिला एनसीडी क्लीनिक, 193 जिला कार्डियक केयर यूनिट और 5541 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

आम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) अर्थात् मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में देश में जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को सामान्य एनसीडी के लिए उनकी स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया गया है। आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के तहत इन सामान्य एनसीडी की जांच सेवा प्रदानगी का एक अभिन्न अंग है।

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) में प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं को चयनात्मक से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या (सीपीएचसी) तक विस्तारित किया गया है, जिसमें एनसीडी सेवाएं शामिल हैं, जो समुदाय के करीब हैं। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत स्वास्थ्य कार्यकलापों को बढ़ावा देकर और सामुदायिक स्तर पर लक्षित संचार द्वारा हृदय रोगों के निवारक पहलू को मजबूत किया जा रहा है। अब तक 1,56,338 स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों का संचालन किया गया है, जिसमें 1,25,608 उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तरों एचडब्ल्यूसी, 23512 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय एचडब्ल्यूसी, और 7,218 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तरीय एचडब्ल्यूसी, शामिल हैं (स्रोत - एचडब्ल्यूसी, पोर्टल, 30 जनवरी 2023 की स्थिति के अनुसार)। स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण <https://ab-hwc.nhp.gov.in/home/satewisereport/> पर उपलब्ध है।

इसके अलावा, हृदय रोगों और उच्च रक्तचाप के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने संबंधी पहल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाया जाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के माध्यम से स्वस्थ भोजन को भी बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया अभियान चलाया जा रहा है और आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी विभिन्न कार्यकलाप किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अपने कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए जाने वाले हृदय रोगों के लिए जागरूकता पैदा करने वाले कार्यकलापों (आईईसी) के लिए एनपीसीडीसीएस एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
